# मेरी नजर में मुहम्मद और अल्लाह

हमे मुसलमानो और इस्लाम के बीच फरक करना होगा. मुसलमान भी लोग है, आपके और मेरे जैसे इंसान है जो एक ही अच्छाई, उम्मीद और ख्वाइश के साथ आते है जो हम सभी इंसानो की विशेषता है लेकिन इस्लाम वो विचारधारा है जो इंसानो को इंसानो से नफरत करना सिखाती है. बहुत से मुसलमान इस्लाम के बारेमे कुछ नही जानते है. औसत दर्जे का मुसलमान अभी भी मानता है कि इस्लाम शांति का धर्म है. बहुत से मुसलमान मानते है कि मुहम्मद अच्छे और ईमानदार थे लेकिन वे मुहम्मद के द्वारा किये गये गुनाहों के बारेमे कुछ नही जानते है. मुसलमानो का सबसे बड़ा विश्वास है कि मुहम्मद ने गुलामों को पनाह देने के लिये प्रोस्ताहित किया लेकिन वे ये नही जानते की मुहम्मद ने कितने ही निर्दोष लोगों को मार डाला, उनके बच्चो और औरतो को गुलाम बना लिया. मुसलमानो का ये भी मानना है कि भुखमरी से बचाने के लिये उन्होंने कही औरतो से शादी की थी लेकिन मुसलमान मुहम्मद के निंदनीय, निर्दयी और बलात्कारी स्वभाव के बारेमे कुछ नही जानते है. बहुत से मुसलमान अच्छे है क्योकि वे इस्लाम को नही जानते है और

उनके बीच कही अच्छे लोग और साधु संत है लेकिन इसका श्रेय इस्लाम को बिल्कुल भी नही जाना चाहिये.

और भी कही मुसलमान अच्छे है और वे इसलिये अच्छे है क्योकि वे कुरान की शिक्षाओं का पालन नही करते. जो लोग इस्लाम को जानते है वे दो समूहो में आते है. एक समूह मुसलमानो को बताता है हम इस्लाम के सच्चे रास्ते पर है वे लोगो को मारते है, लोगो पर आत्याचार करते है, आतंकवादी बनते है. आप उन्हें तालिबान, ISIS, ईरान के मुल्लाओ और पाकिस्तान के मुल्लाओ आप उन्हें इस्लामी आतंकवादियों के बीच हर जगह पाते है और दूसरे समूह को ये सब डरावना लगता है फिर वे इस्लाम के बारेमे सच्चाई का पता लगाते है और जब सच्चाई का पता चल जाता है तब वे इस्लाम को छोड़ देते है, अगर आप मुसलमान है तो आपको खुद से पूछना होगा की आप किस समूह के है. इस्लाम की सच्चाई जानने के बाद ये आपपर निर्भर करता है कि आप इंसनायित, सच्चाई को सबसे पहिले महत्व देते है या बुराई को. आप अच्छे का अनुसरण करने और इस्लाम को त्यागने का पर्याय चुन सकते है या फिर आप आतंकवादी विचारधारा फैलाने वाले इस्लाम का अनुसरण कर सकते है.

कुरान का अल्लाह निर्दयी क्रूर और तानाशाह है अगर कोई उसकी पूजा ना करे तो धधकती आग में लंबे वक्त तक जलता है, डराता है, धमकाता है काफिरो से बेइंतहा नफरत करता है अगर इन तथ्यों को जानने के बाद भी अगर आप मुसलमान है तो आपके लिए ये सब ठीक है लेकिन ये सवाल हमे उकसाते है और हमे जानना होगा के हम सब कौन है और कौनसी बातो के साथ जाना चाहिये, अगर मैं शैतान पर विश्वास करता हु तो मैं ये कह सकता हु अल्लाह अपने कामो के लिए शैतान है जो उसकी वास्तविक पहचान है जो उसके शैतानी स्वभाव का खुलासा करति है,

दुनियाभर में 2001 के बाद 35 हजार से भी ज्यादा इस्लामिक आतंकवादी हमले हो चुके है तो विचार करे जबसे इस्लाम बना है तबसे लेकर 2001 तक कितने आतंकवादी हमले हुये होंगे?

इन हमलों में लाखों करोड़ों इंसाण लहूलुहान हो गए और नजाने ही कितनी जाने चली गयी. कत्ले आम करनेवाले कोई राक्षस नही थे बल्कि मुसलमान थे, वे मुसलमान जो अपने धर्म के पक्के थे और ईमान का पालन करने के लिये सामूहिक नरसंहार जैसी वारदातों को अंजाम दे रहे थे. इन पक्के मुसलमानो की तरह सोचनेवाले अभी भी करोड़ो है

और वे भी मजहब के नाम पर ऐसा ही नरसंहार करने के लिये तैयार है. अगर आप सोचते है कि मुस्लिम आतंकवाद कोई नई समस्या है तो फिरसे विचार कीजिये, इस्लाम अपनी सफलता आतंकवाद के हत्यार से ही नापता है. मदीना में पैर रखने के दिन से ही मुहम्मद ने आतंकवाद का अभियान शुरू कर दिया था तबसे आजतक उसके अनुयायी इसी अभियान को आगे बढ़ा रहे है. दुख के साथ कहना पड़ रहा है की मुसलमान चिड़चिडे अहिष्णु और हिंसक होते है वे दंगाई होते है अगर कोई उनकी बात को काटे और सम्मान देकर व्यवहार न करे तो वे भड़क जाते है, हिंसा करने लग जाते है वे दूसरे धर्म के लोगो का और उनके अधिकारों का हनन करते है, कत्ल करते है उन्हें झूठे आरोपो में फसाते है जबरन धर्मांतरण करते है. मुसलमान ऐसे क्यो बनते है इसे समझने के लिए उनके रसूल मोहम्मद को समझना पड़ेगा. वास्तव में मुसलमान अल्लाह की इबादत नही करते है बल्कि वे मुहम्मद की इबादत करते है और मुहम्मद के ऊपर चलते है इस्लाम दरसल मुहम्मदवाद है. मुहम्मद को समझकर ही इस्लाम को अच्छे से जाना जा सकता है इतिहासकार बताते है मुहम्मद गुफा में चला जाता था, घण्टो हफ़्तों अपने विचारों में खोया रहता था वो घण्टियों की आवाजें सुनता था और भुत प्रेत के सपने देखता था उसकी बीवी खदीजा ने जबतक उसे यकीन नही दिलाया के वो पैगम्बर हो गया है वो सोचता था कि उसके ऊपर शैतान का साया है

अपनी इस हैसियत का अंदाजा होते ही उसके रंगढंग बदल गए. जिन्होंने मुहम्मद को पैगम्बर के रूप में नकारा उनका मोहम्मद ने कत्ले आम किया वो हमले लूटपाट और पूरी की पूरी आबादी का नरसंहार करने लगा मुहम्मद ने हजारों लोगों को गुलाम बनाया, अपने आदमियों को गुलाम ओरतो के साथ बलात्कार करने का आदेश दिया मुहम्मद उन लोगो के साथ बहुत अच्छा था जो उसकी तारीफे करते थे और जो उसकी तारीफे नही करते थे वो उनसे दुश्मनी कर लेता था मुहम्मद कोई साधारण इंसाण नही था एक पागल, बीमार और उन्मादी था जब कोई उसे पैगम्बर के रूप में अस्वीकार कर देता था तब वो बहुत आहात हो जाता था वो उसका साथ छोड़नेवालो का कत्ल तक कर देता था. मुहम्मद को जानना जरूरी क्यो है क्योकि करोड़ो लोग उसकी तरह बनने की कोशीष कर रहे है.